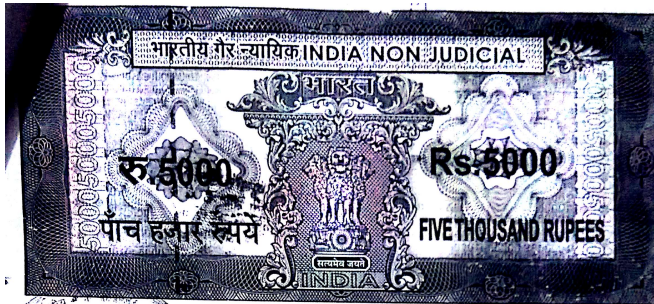


W 318629

• 7 •

जिस्तको वह स्वयं अपने पास रखे या किसी भी दीगर व्यक्ति को विक्रय करे , किराये पर उठाये, हस्तान्तरित प अन्तरित करे, तथा उसके निमित्त प्रीतिफल प्राप्त करे इसमें प्रथमक्षको कोई आपत्ति प हस्तक्षेप कभी नहीं होगा।

*R...*



*R...*

